नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक ३१४ वि.सं. २०८२ जेठ २१ गते बुध थारु सम्वत (२६४८) [Wednesday 04 June 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

लगानी सम्मेलनसे आर्थिक विकासमे टेवाः परराष्ट्र मन्त्री राणा

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० जेठ । परराष्ट्र मन्त्री डा. आरजु राणा देउवा लगानी सम्मेलनसे सुदूरपश्चिमके आर्थिक विकासमे महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ना बटैले बटी ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे आयोजना करल लगानी सम्मेलनमे सहभागी हुइक लाग धनगढी पुगल परराष्ट्र मन्त्री राणा धनगढी विमानस्थलमे सञ्चारकर्मीनसँग संक्षिप्त प्रतिक्रिया डेटी लगानी सम्मेलनसे सुदूरपश्चिमके विकासमे टेवा पुग्ना बटाइल हुइटी ।

उहाँ लगानी सम्मेलनसे सुदूरपश्चिममे बरवार विकासके योजना निर्माणमे महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ना बटैली । उहाँ कहली, 'सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके परिकल्पनामे लगानी सम्मेलनके आयोजना करले बा, जेम्ने सुदूरपश्चिम प्रदेशसे प्रतिनिधित्व करुइया केन्द्र सरकारके मन्त्रीहुक्नके सहयोगी भूमिका रहना बाबै ।'

उहाँ सुदूरपश्चिमसे प्रतिनिधित्व करुइया केन्द्रीय सरकारके मन्त्रीहुक्के सुदूरपश्चिममे लगानी भित्र्याइना भूमिका खेल्नामे समेत विश्वास व्यक्त करली । सुदूरपश्चिममे लगानीके लाग प्रचुर सम्भावना रहल ओरसे टमान क्षेत्रसे निजी लगानीके लाग व्यवसायी ओ दातृ निकाय उत्साहित हुइल बटैली ।

उहाँ लगानी सम्मेलनसे दातृ निकाय ओ निजी व्यवसायीहे सुदूरपश्चिममे भित्र्याइ लागलमे खुसी व्यक्त करली । विदेशी लगानीकर्ता ओ एनआरएनसे लगानी करक लाग इच्छा व्यक्त कैना सुदूरपश्चिमके लाग सकारात्मक रहल बटैली । उहाँ पाछेक समयमे नेपालमे लगानी करुइयनके संख्यामे वृद्धि हुइ लग्लेसे फेन सरकारी ऐन कानुनके कारण कुछ कठिनाई हुइना करल बटैटी मन्त्री राणा ऐन कानुन परिमार्जन कैके लगानीमैत्री कानुन निर्माण करे पर्नामे जोड डेली ।

सुदूरपश्चिममे अथाह जलस्रोत रहल बटैटी उहाँ कहली, 'यहाँके जलस्रोतके सदुपयोग कैके लगानी करे सेकल खण्डमे सुदूरपश्चिम आर्थिक रुपमे समृद्ध हुइना निश्चित बा ।'

सुदूरपश्चिममे पर्यटन, जलस्रोत, कृषिके साथे उद्योग क्षेत्रमे लगानी कैना उहाँ सक्कु दातृ निकाय तथा निजी क्षेत्रके व्यवसायीहे आग्रह करले बटी । कञ्चनपुरके विपिन जोशीके अवस्थाबारे सञ्चारकर्मीसे पुछल प्रश्नमे परराष्ट्र मन्त्री राणा हालसम अवस्था अज्ञात रहल ओरसे सकुशलके कामना कैटी कूटनीतिक पहल जारी रहल बटैली ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे आयोजना करे लागल लगानी सम्मेलनमे सहभागी हुइ धनगढी पुगल परराष्ट्र मन्त्री राणालगायत सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह, मन्त्री, विदेशी नियोगके अधिकारी ओ लगानीकर्ता कञ्चनपुर क्षेत्रके फिल्ड अवलोकन कैना कार्यक्रम रहल बा । अवलोकनके क्रममे दोधरा चाँदनीके सुख्खा बन्दरगाह, शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज, बेदकोट औद्योगीक क्षेत्र लगायतके क्षेत्रके अवलोकन कैके लगानीके सम्भावना पहिचान कैना कार्यक्रम रहल सुदूरपश्चिम प्रदेश नीति आयोगके सदस्य नृपबहादुर सुनार जानकारी डेलै ।

महिला स्वरोजगारके लाग ढकिया बनैना तालिम

पहुरा समाचारदाता

जोशीपुर, २० जेठ । कैलालीके जोशीपुरमे महिला हुक्न स्वरोजगार बनैना उद्देश्यसे ढकिया बनैना तालिम सुरु हुईल बा ।

"आजके सीप काल्हके सफलता" कना मुल नारा रहल तालिममे परम्परागत विधि प्रयोग कैके आधुनिक ढकिया बनाके महिलन स्वरोजगार ओ व्यवसायिक बनैना उद्देश्यसे तालिम संचालन करल महिला शाखा प्रमुख कल्पना मिश्र बटैली । उ तालिममे कलमदानी, खुत्रुके, चिया ट्रे, ज्वैलरी बक्स, हटकेस, फुलदानी जैसिन दैनिक जीवनमे प्रयोग हुईना आकर्षक सामानफे बनाजिना बटैली ।

ओस्टेक सीपहे आयआर्जनसंग जोरे पर्ना वडा नं. ७ के अध्यक्ष बमबहादुर शाह बटैलै । यहाँ कहलै, "सीप सिखके कुछ आर्थिक समृद्धि करेसेक्ना हो तर पालिकासे प्रत्येक वरष हुईना तालिम सीप तालिममे केल सिमित रहल कुछ उपलब्धी नैडेखल हुईलेक वरसे सीप सिख्के व्यवसायिक तरिकासे काम कैना उद्देश्य लैके तालिम संचालन करल हो ।"

जोशीपुर गाउँपाकि उपाध्यक्ष रेखादेवी कठरिया पहिले मुक्तकमैया महिलाहुक्न यी तालिम डैगिल रहे मने उपलब्धी मूलक नैदेखगिल बटैली । उहाँ कहली, 'यी वरष सावित महिला विकास कार्यालयसे गठन कैगिल महिला समूह, समिति ओ सहकारीके महिला हुक्न तालिम डैजाईटा । यकर जिम्मेवारी महिला समूह, समिति ओ सहाकारीहे लेहक परि ओ बनाईल उत्पादनके बजारीकरणके लाग *(बाँकी ३ पेजमे)*

मानव अधिकार रक्षक अभिमुखीकरण कार्यक्रम

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० जेठ । अनौपचारिक क्षेत्र सूवा केन्द्र (इन्सेक) सुदूरपश्चिम प्रदेश कार्यालय, धनगढीके आयोजना मानव अधिकार रक्षक अभिमुखिकरण कार्यक्रम धनगढीमे सम्पन्न हुइल बा ।

इन्सेक सुदूरपश्चिम प्रदेश संयोजक खडकराज जोशी नागरिकके न्यायके पक्षमे काम करेबेर, मानव अधिकारके संरक्षणके लाग वकालत पैरवी करेबेर मानव अधिकार रक्षकहुकनहे टमान जोखिम, चुनौती ओ समस्या अइटी रहल ओरसे ओसिन जोखिमके समना कैना मानव अधिकार रक्षकहुक्के सजग हुइना आवश्यक रहल ओ अग्रस्थानमे रहिके काम कैना मानव अधिकार रक्षकसे भोगे परल जोखिमके बारेमे बटैलै ।

राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगके सहसचिव झंकर रावल मानव अधिकार रक्षकके परिभाषा, अधिकार क्षेत्र ओ दायित्व, मानव अधिकार *(बाँकी २ पेजमे)*

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

नसर्ने रोगबाट बच्ने उपाय ।

❖धूमपान र मद्यपान नगरौं,
❖ दैनिक शारीरिक व्यायाम गरौं,
❖मानसिक तनावबाट मुक्त रहौं,
❖अस्वस्थकर खानपान र जीवनशैली नअपनाऔं,
❖ स्वस्थकर र सन्तुलित भोजन गरौं,
❖ नियमित स्वास्थ्य जाँच गरौं,

समयमै नसर्ने रोगको जाँच गराऔं, स्वस्थ र दीर्घ जीवन बाँचौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८७१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

अपांगता हुइल व्यक्तिन सहायक सामग्री वितरण

पहुरा समाचारदाता

पुनर्वास, २० जेठ । कञ्चनपुरके पुनर्वासमे शारीरिक अपांगता हुइल व्यक्तिनहे टमान सहायक सामग्री वितरण करल बा ।

पुनर्वास नगरपालिका ओ मर्सिकोर नेपालके आर्थिक सहयोग तथा एनएनएसडब्लुए कञ्चनपुरके प्राविधिक सहयोगमे २० जाने अपांगता हुइल व्यक्तिनहे सहायक सामग्री प्रदान करल हो ।

सहायक सामग्री वितरण कार्यक्रममे बोल्टी पुनर्वास नगरपालिकाके नगरप्रमुख तोय प्रसाद शर्मा सहायक सामग्रीके सदुपयोग ओ संरक्षणमे परिवारके अन्य सदस्यके समेत जिम्मेवारी रहल बटैलै । उहाँ सहायक सामग्री बितरण कार्यक्रम आवश्यकताहे मध्यनजर करटी भविष्यमेफे निरन्तरता डेना बटैलै । उहाँ कार्यक्रममे सहयोग पुगैना मर्सिकोर नेपाल ओ एनएनएसडब्लुए कञ्चनपुरप्रति आभार व्यक्त करलै ।

कार्यक्रममे बोल्टी प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत तिलक प्रसाद रिजाल सहायक सामग्रीके महत्व ओ आवश्यकताहे ध्यानमे धारके वितरण करल बटैलै । अपांगता हुइल व्यक्तिनके दैनिक जीवनहे सहज बनैना उद्देश्यसे सामग्री वितरण करल उहाँ बटैलै ।

कार्यक्रममे एनएनएसडब्लुएके वरिष्ठ समन्वय अधिकृत टेकबहादुर बुढा फरक-फरक आवश्यकता अनुसार सामग्री वितरण करल जानकारी डेलै । ४० हजार रुप्या बराबरके हृवीलचेयर सात जनहनहे, ३१ हजार ५ सय मूल्य बराबरके ट्राइ साइकल ६ जनहनहे वितरण करल उहाँ जानकारी डेलै । ओस्टे, पाँच हजार रुप्या बराबरके वाकर एक जनहनहे वितरण करल बा कलेसे १ हजार ८ सय रुप्या बराबरके उज्जर लाठी तीन जनहनहे वितरण करल उहाँ बटैलै ।

ओस्टे १ हजार ६ सय ७५ मुल्य बराबरके एल्बो क्लच एक जनहनहे, १ हजार २ सय ५० रुप्या बराबरके वाकिङ स्टिक दुई जनहनहे प्रदान करल बा । पालिकासे गैल बर्षफे २९ जाने अपांगता हुइल व्यक्तिहुकनहे सहायक सामग्री वितरण करल जनैले बा । कार्यक्रमसे अपांगता हुइल व्यक्तिके जीवनमे सहजता ल्यन्ना अपेक्षा करल बा ।

मानव अधिकार...

रक्षक निर्देशिका, मानव अधिकार रक्षकके विषेशता, भूमिका ओ मानव अधिकार रक्षकसे उठान करेपर्ना सवाल, मानव अधिकारके अनुगमन ओ तथ्य संकलनके बारेमे छलफल करल रहिट ।

एडभोकेसी फोरमके संयोजक पुष्पविकम शाही मानव अधिकार रक्षकके लाग राष्ट्रिय तथा अनतराष्ट्रिय सुरक्षा ढाँचा ओ कानूनी व्यवस्थाके बारेमे छलफल करैलै ।

महिला मानव अधिकार रक्षक अभियन्ता चित्रा पनेरु महिला मानव अधिकार रक्षकके अधिकार, लैङ्गिग समानता ओ परिवर्तित समाजके विषलेषण बारेमे छलफल करैलै ।

इन्सेक सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रलेख अधिकृत कृष्णबहादुर विश्वकर्मा वातावरण ओ मानव विकास, वातावरणीय प्रभावके वर्तमान अवसथा, वातावरणीय सवाल, वातावरण प्रदुषणाका कारण संवैधानिक ओ कानूनी व्यवस्था, वातावणीय मानव अधिकारके विषय, व्यवसाय ओ मानव अधिकार, व्यवसाय ओ मानव अधिकार सम्बन्धी संयुक्त राष्ट्रसंघिय मार्गदर्शन, सिद्धान्तके मान्यताके बारेमे जानकारी करैलै ।

दुई दिनसम चलल उ कार्यक्रम टमान जिल्लामे मानव अधिकार रक्षकके सहभागीता रहल रहे । इन्सेक सुदूरपश्चिम प्रदेश संयोजक खडकराज जोशी, राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगके सहसचिव झंकर रावल, एडभोकेसी फोरमके संयोजक पुष्पविकम शाही, महिला मानव अधिकार रक्षक अभियान्ता चित्रा पनेरु इन्सेक सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रलेख अधिकृत कृष्णबहादुर विश्वकर्मा सहजीकरण करल रहिट ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकाए विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

विकासमे आशाके सञ्चार

विचार
विनोद पोखल

देशमे विकास काहे नैहुइल ? कैचो व्यवस्था परिवर्तन हुइलेसे फेन अवस्था परिवर्तन हुइ नैसेकल । प्रजातन्त्र पुनर्स्थापना हुइल ३४ वर्ष हुइल । गणतन्त्र स्थापना हुइल फेन १७ वर्ष हुइ लागल । संविधान सभासे नयाँ संविधान बनैलेसे फेन करिब १० वर्ष हुइल । देशहे जापान, अमेरिका, बेलायत, स्विट्जरल्यान्ड जैसिन विकसित काहे बनाइ नैसेक्लि ? हो, कुछ देश जापान, सिंगापुर, थाइल्यान्ड, फिलिपिन्स, कतार, साउदी अरेबिया, संयुक्त अरब इमिरेट मलेसिया, इजिप्ट हलि विकास करना देशमे परठ । छिमेकी देश भारत ओ चीनके विकासके गति तीव्र रूपमे आघे बह्रल बा । राजनीतिक स्थिरता, नेतृत्वके इच्छाशक्ति, विकास निर्माणमे दीर्घकालीन योजना, ओम्ने दलके प्रतिबद्धता तथा राष्ट्रके स्रोतसाधनके समुचित उपयोगके कारण उ देशमे विकास सम्भव हुइल हो ।

हम्रे औरे देशके विकास देखके हमार काहे नैहुइल कहिके बारम्बार प्रश्न करठि । प्रश्न करे पैना फेन देश विकासके एक चरण हो । काल्हसम यिहे प्रश्न करे पैना ओ औरे देशके विकास डेखे पैना अवस्थामे हम्रे नैरहि, आब उ चरण पार कैसेकल बटि । आब हम्रे भौतिक रूपमे विकास हुइल हेरे चहठि, ओकर अनुभूति करे चहठि । प्रश्न करनासे आगे औरे देशसे कैसिक ओ कबु विकास करना कना बुझ्ना जरुरी बा । हुइना टे विकास कब सम्पन्न नैरहठ, यी राज्यके निरन्तर प्रक्रिया हो कलेसे जनताके हैसियत, रहनसहन तथा क्रय शक्तिहे आधुनिकतासँगे जोरना फेन विकास हो ।

सन् १७०७ मे बेलायत जब एकीकृत होके युनाइटेड किङ्डम (युके) हुइल वहाँसे विकासके गति बह्रल हो । सन् १७६० से १८४० के बिचमे बेलायतमे औद्योगिक क्रान्ति सुरु हुइल, जोन संसारके पहिल क्रान्ति रहे । यिहिनसे फ्याक्ट्री, रेलमार्ग, कपडा उद्योग, फलाम-इस्पात, ओ सवारीसाधनके विकासमे क्रान्ति नानल । १९ औँ, २० औँ शताब्दीमे बेलायत विश्वके सर्वाधिक शक्तिशाली उपनिवेशवादी शक्ति बनल । शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, यातायात जैसिन विकासके क्षेत्रमे फड्को मारके अब्बे यी अवस्था आइल हो । अमेरिका फेन सन् १७७६ मे स्वतन्त्र हुइलेसे फेन विकासके आधार तय हुइल हो । सन् १८०० के दशकओर अमेरिकामे औद्योगिक क्रान्ति सुरु हुइल । यिहिनसे कृषि, यातायात (रेलमार्ग) ओ निर्माण क्षेत्रमे तीव्र परिवर्तन नानल । सन् १९०० के दशकमे अमेरिका सडक, भवन, विद्युत् ओ उद्योगमे भारी विकास करल हो ।

भारतमे फेन १८ औँ शताब्दीसम टमान राजारजौटा शासन करले रहैं । ओहे बेलाके सुल्तान ओ मुगल शासक भवन निर्माण, सिँचाइ प्रणाली, व्यापार ओ प्रशासनिक संरचनामे विकास करलैं । ताजमहल जस्टे कलात्मक भौतिक संरचना निर्माण उ कालके उत्कृष्ट नमुना रहे । पाछे ब्रिटिस काल (इसं १७५७–१९४७) मे रेलवे, सडक तथा कुछ भौतिक पूर्वाधारके विकास हुइल रहे । इसं विसं २०४७ मे भारत स्वतन्त्र हुइलपाछे भारतमे समाजवादी मोडेल अनुसार पञ्चवर्षीय योजना अनुसार विकासके सुरुवात हुइल रहे । कृषि तथा औद्योगिक क्रान्ति करटि सार्वजनिक क्षेत्रके विस्तार करटि पाछे सन् १९९१ मे आर्थिक उदारीकरणके नीति अवलम्बनपश्चात् स्थिर सरकार निर्माणपाछे विकास गति तीव्रता पाइल । सन् १९४९ मे चीनमे जब माओ जनगणतन्त्र चाइना स्थापना करल, उ अवधिसे विकासके आधार तय हुइल रहे । उ अवधिमे देशके विकास नैहुइलेसे फेन सन् १९७८ मे राष्ट्रपति देङ जियाओ पिङ निजी क्षेत्रहे अनुमति डेटि बजारउन्मुख अर्थव्यवस्थाके सुधार सुरु करलैं । विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) खोलगिल, विदेशी लगानी बह्रल, कृषि सुधार हुइल ओ क्रमशः विश्वके भारी व्यापार केन्द्र बन्टि विकास फड्को मारल ।

> अन्य देश उपनिवेशसे स्वतन्त्र होके विकासके पथमे जाइबेर हमार शासक अपन परिवारके विकासके पथमे जैना रहे । बोले सेक्ना हैसियत ओ अवस्था जनताके नैरहे । विसं २००७ से किल जनतामे जागरूकता आइल रहे प्रजातन्त्रके स्थापना हुइल रहे । उ फेन ०१७ सालमे बोली बन्द करगिल दल प्रतिबन्धित हुइल ओ पाछे विसं २०४७ सालमे प्रजातन्त्रके पुनर्स्थापनामे अब्बेक अवस्था आइल हो । पहिलेक परिस्थिति ओ अब्बेक अवस्था हेरलेसे देशमे कुछ नैहुइल कहे नैमिलि जनतासे चाहल गतिमे काम नैहुइल किल हो । भ्रष्टाचारके बाट पहिले बोले, देखे, लिखे नैमिले । भ्रष्टाचार कहाँ, का, कत्रा, हुइल किहुनहे पटा नैहोए । कुछ नेतामे भ्रष्टाचारके गन्ध आइल हो, यिहिनहे कठोर होके नियन्त्रणक रहि परि । नेता जनमुखी नैहोके सुविधाभोगी हुइल कना फेन आरोप बा । उहिनहे आत्मसमीक्षा करहि परि । सुशासन नारामे किल नैहोके व्यवहारसे कायम करे परि । 'सुखी नेपाली समृद्ध नेपाल'के अभियान सार्थक पारे परल । पाछेक चो कांग्रेस ओ एमालेके संयुक्त सरकार बनलपाछे राजनीतिक स्थिरता कायम हुइना विश्वास जागल बा । पाछेक सरकारके नीति तथा कार्यक्रम ओ तदनुसार आइल बजेटसे आशाके सञ्चार करले बा मने बजेट कार्यान्वयनमे कर्मचारीतन्त्रके साथ ओ सहयोग अपेक्षित बा ।

हमार शासक अपन परिवारके विकासके पथमे जाइबेर हमार शासक अपन परिवारके विकासके पथमे जैना रहे । बोले सेक्ना हैसियत ओ अवस्था जनताके नैरहे । विसं २००७ से किल जनतामे जागरूकता आइल रहे प्रजातन्त्रके स्थापना हुइल रहे । पहिलेक परिस्थिति ओ अब्बेक अवस्था हेरलेसे देशमे कुछ नैहुइल कहे नैमिलि जनतासे चाहल गतिमे काम नैहुइल किल हो । भ्रष्टाचारके बाट पहिले बोले, देखे, लिखे नैमिले । भ्रष्टाचार कहाँ, का, कत्रा, हुइल किहुनहे पटा नैहोए । कुछ नेतामे भ्रष्टाचारके गन्ध आइल हो, यिहिनहे कठोर होके नियन्त्रणक रहि परि । नेता जनमुखी नैहोके सुविधाभोगी हुइल कना फेन आरोप बा । उहिनहे आत्मसमीक्षा करहि परि । सुशासन नारामे किल नैहोके व्यवहारसे कायम करे परि । 'सुखी नेपाली समृद्ध नेपाल' के अभियान सार्थक पारे परल । पाछेक चो कांग्रेस ओ एमालेके संयुक्त सरकार बनलपाछे राजनीतिक स्थिरता कायम हुइना विश्वास जागल बा । पाछेक सरकारके नीति तथा कार्यक्रम ओ तदनुसार आइल बजेटसे आशाके सञ्चार करले बा मने बजेट कार्यान्वयनमे कर्मचारीतन्त्रके साथ ओ सहयोग अपेक्षित बा ।

हमार देशहे फेन १७६८ से पृथ्वीनारायण शाह सुरु करल नेपाल एकीकरण अभियान १८१२ मे पूर्व टिस्टासे पश्चिम काँगडासम नेपालके सीमा विस्तार हुइल रहे । पाछे १८१६ मे सुगौली सन्धि हुइलपश्चात् वर्तमान नेपालके सीमा क्षेत्र कायम हुइल रहे । ओकरपाछे हमार नेपालके विकास समयानुकूल गति लेहे परना रहे, लेहे नैसेकल । १८ औँ शताब्दीसम विशेष कैके मल्लकालमे कला, संस्कृति, मठमन्दिर, दरबार, हिटी, पाटी, पोखरी आदि सांस्कृतिक तथा धार्मिक संरचनाके निर्माणके हुइल पाजाइठ । राणा शासनकाल विसं १९०३ से २००७ सम देश ओ जनताके जीवनस्तर उकस्ना मेरिक खास विकास नैहुइलेसे फेन अपन निजी रूपमे प्रयोग करना भारी भारी दरबार तथा भवन निर्माण हुइल पाजाइठ । जोन पाछे सरकारी प्रशासनिक भवनके लाग प्रयोग करगिल । विसं २००७ मे प्रजातन्त्र स्थापना हुइलपाछे विकासके योजना बनैना कामके सुरु हुइल, जोन अनुसार विसं २०१३ मे पहिल पञ्चवर्षीय योजना लागु करल रहे । पाछे २०१७ सालमे निरंकुश पञ्चायती व्यवस्था लागु करलपाछे विकास कार्य केन्द्रसे निर्देशित प्रणालीसे आघे बह्राजाए । उ अवधिमे शिक्षा, स्वास्थ्य चौकी, सडक, सिँचाइ आदिमे योजनाबद्ध रूपमे विकासके काम आघे बह्राइना फेन जनसहभागितामूलक विकासके नीति अवलम्बन करल नैरहे ।

विसं २०४७ सालमे नेपालमे पुनः प्रजातन्त्र स्थापना हुइलपाछे स्थानीय सरकार ओ जनताके सहभागिता बह्रल कुछ विकास निर्माणके काम सुरु हुइल अस्थिर राजनीतिक अवस्थाके कारण विकाससे तीव्र गति लेहे नैसेकल । नयाँ विकासके योजना बनैनाटि जैना क्रममे विसं २०५२ मे माओवादी सशस्त्र संघर्ष सुरु करल । उ अवधिमे देशके पूर्वाधार विकास निर्माणसे विनाशओर आगे बह्रल, यी क्रम १० वर्षसम चलल । २०६२/६३ के जनआन्दोलनसे देशमे गणतन्त्र स्थापना करना डगर खुलल ओ देशसे राजतन्त्र सदाके लाग बिदा हुइल । विसं २०६४ सालमे संविधान सभा चुनाव होके देशमे गणतन्त्र स्थापना हुइल । नयाँ संविधान निर्माणके प्रक्रिया सुरु हुइल, जोन अनुसार विसं २०७२ मे नयाँ संविधानसमेत जारी हुइल । यी अवधिमे विकासके योजना टे बनल कुछ विकासके काम फेन सुरु हुइल मने आशातीत नैहुइल । राजनीतिक स्थिरता नैहुइनाके परिणाम हम्रे भोगटि बटि ।

विसं २०७४ मे नयाँ संविधान अनुसार चुनाव होके तीन तहके सरकार गठन हुइलेसे फेन करिब आठ वर्ष हुइल, विकास निर्माण भौतिक पूर्वाधार, विद्युतीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सञ्चार, सिँचाइ, कृषि आदिमे धेर काम हुइल बा । गाउँ गाउँमे पक्की सडक बनल बा । नयाँ भारी राजमार्ग फेन निर्माण हुइटि बा, पुरान राजमार्ग विस्तार तथा स्तर उन्नति फेन हुइल बा टे जोन गतिमे हुइपरना रहे, तदनुसार हुइ सेकल नैहो । जनताके गुनासो यहँ बावैं ।

पृथ्वीनारायण शाहसे एकीकरण कैके एक सिंगो नेपाल स्थापना करलपाछेक शासक अन्य देशसे करल जस्टे विकास करे के रोक्लेसे रहे ? ट्रेन चलैना, सुरुङ बनैना, उत्तर दक्षिण राजमार्ग, पूर्व पश्चिम राजमार्ग बनैना के छेकल । राजाके छावाछाइ विदेशी कलेजमे पहे पठैना जनताहे आधुनिक शिक्षा डेना देशमे कलेज युनिभर्सिटी स्थापना कैके जनताके छावाछाइहे आधुनिक शिक्षा डेना के रोकल । जनस्रोतके धनी देश पर्याप्त हाइड्रो पावर बनैना के रोकल, उद्योगधन्दा कलकारखाना खोलके जनताहे डेना स्वदेशमे रोजगारी डेके उत्पादन बह्राइ काहे नैसेक्गिल । काहेकि उ बेलाके शासक देशके नियम कानुनसे उप्पर रहैं । राज्यके स्रोतसाधन उहाँहुकनके निजी सम्पत्ति सरह उपयोग करजाए । देशके विकाससे अपन ओ अपन परिवारके ऐस आरामके लाग राज्यके आयस्रोतके उपयोग करजाए ।

अन्य देश उपनिवेशसे स्वतन्त्र होके विकासके पथमे जाइबेर हमार शासक अपन परिवारके विकासके पथमे जैना रहे । बोले सेक्ना हैसियत ओ अवस्था जनताके नैरहे । विसं २००७ से किल जनतामे जागरूकता आइल रहे प्रजातन्त्रके स्थापना हुइल रहे । उ फेन ०१७ सालमे बोली बन्द करगिल दल प्रतिबन्धित हुइल ओ पाछे विसं २०४७ सालमे प्रजातन्त्रके पुनर्स्थापनामे अब्बेक अवस्था आइल हो ।

पहिलेक परिस्थिति ओ अब्बेक अवस्था हेरलेसे देशमे कुछ नैहुइल कहे नैमिलि जनतासे चाहल गतिमे काम नैहुइल किल हो । भ्रष्टाचारके बाट पहिले बोले, देखे, लिखे नैमिले । भ्रष्टाचार कहाँ, का, कत्रा, हुइल किहुनहे पटा नैहोए । कुछ नेतामे भ्रष्टाचारके गन्ध आइल हो, यिहिनहे कठोर होके नियन्त्रणक रहि परि । नेता जनमुखी नैहोके सुविधाभोगी हुइल कना फेन आरोप बा । उहिनहे आत्मसमीक्षा करहि परि । सुशासन नारामे किल नैहोके व्यवहारसे कायम करे परि । 'सुखी नेपाली समृद्ध नेपाल' के अभियान सार्थक पारे परल । पाछेक चो कांग्रेस ओ एमालेके संयुक्त सरकार बनलपाछे राजनीतिक स्थिरता कायम हुइना विश्वास जागल बा । पाछेक सरकारके नीति तथा कार्यक्रम ओ तदनुसार आइल बजेटसे आशाके सञ्चार करले बा मने बजेट कार्यान्वयनमे कर्मचारीतन्त्रके साथ ओ सहयोग अपेक्षित बा ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजकः

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
वैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्चुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-४५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२४७१
ईप्रका लम्की ०९१-४४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-४८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-४२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-४५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-४२९१४४
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०४९०४
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-४६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८
बैंक
नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैंक ०९१-४२३६४३
कृषि विकास बैंक ०९१-४२९२३४
मालिका विकास बैंक०९१-४२३७३८
बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६
बैंक अफ एसिया ०९१-४२४६५०
नेपाल बग्लादेश बैंक ०९१-४२१७८४
सिटिजन बैंक ०९१-४२७४८४
कुमारी बैंक ०९१-४२६०३८
सनराईज बैंक ०९१-४२४८५०
नेपाल इन्भेसमेन्ट बैंक०९१-४२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-४२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२११०१
जिल्ला विकास .०९१-४३२४६०
नगरपालीका .०९१-४२१४२९
मालपोत.०९१-४२१२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२२२४४, भूमि सुधार.०९१-४२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-४२११४२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६४
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२१२७१
नवजिवन ०९१- ४२१२३३/४२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४
पद्मा धनगढी ०९१-४५०३४४
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-४५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखडा०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०
ढकमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२१२३७, ४२३९७१
एम्बुलेन्स : ४२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८४४७४४०
विद्युत : ४२११४४
दिनेश मेटल ०९१-४२१३९२
होटल
डिमोटी ०९१-४२३९१८/४२४९३१
जगदम्बा०९१-४२३४९०, विद्या०९१-४२३२७३
तरुण ०९१-४२४६९३, सनलाईट०९१-४२१४३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१
ब्रान्लुप्लाजा०९१-४२२८३०/४२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४११४
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-४२१२४२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१

विद्युत् ओ सिँचाइके लाग विश्व बैंकसे ऋण डेना

काठमाडौँ, २० जेठ । विश्व बैंक नेपालके दुई परियोजनाके लाग २५ करोड ७० लाख अमेरिकी डलर बराबर ऋण स्वीकृत करले बा । बैंकसे सोम्मारके रोज प्रेस विज्ञप्ति जारी करटि विद्युत् आपूर्ति प्रणाली सुधार ओ रानीजमरा-कुलरिया सिँचाइ आयोजनाके लाग यी ऋण स्वीकृत करल जानकारी करैले बा ।

विद्युत् आपूर्ति प्रणाली सुधारके लाग १२ करोड अमेरिकी डलर ऋण डेहे लागल हो । सन् २०३० समके लाग उपलब्ध कहल यी ऋणसे कोशी, बागमती, कर्णाली ओ सुदूरपश्चिम प्रदेशके विद्युत् वितरण प्रणाली सुधार करल बा । नेपाल विद्युत् प्राधिकरणसे कार्यान्वयन करना यी परियोजनामे वितरण सबस्टेसन निर्माण, विद्यमान वितरण सञ्जालके स्तरवृद्धि, निगरानीके स्वचालित प्रणाली जडानलगायतके कार्य हुइना जनाइल बा ।

रानीजमरा-कुलरिया सिँचाइ आयोजनाके तेसर चरण कार्यान्वयनके लाग विश्व बैंकसे १३ करोड ७० लाख ऋण स्वीकृत करले बा । सुदूरपश्चिम प्रदेशके कैलालीमे बरसभर सिँचाइ सुविधा उपलब्ध कराके कृषि उपजके उत्पादन वृद्धि करना लक्ष्य यी परियोजनासे ढरले बा । यी परियोजनासे थप १७ हजार पाँच सय हेक्टर जमिनमे वर्षभर सिँचाइ सुविधा पुगैना ओ यिहिनसे करिब एक लाख ६० हजार मनै लाभान्वित हुइना अपेक्षा बा । यी परियोजना कार्यान्वयनसे अवरोधरहित विद्युत् आपूर्ति ओ वर्षभरके सिँचाइ सुविधा प्राप्त होके नेपालके दिगो विकासमे थप योगदान पुग्ना अपेक्षा विश्व बैंक करले बा ।

सामाजिक सुरक्षा कोषसे चौध अर्ब बयासी करोड भुक्तानी

काठमाडौँ, २० जेठ । सरकारसे योगदानमे आधारित सामाजिक सुरक्षा योजना अन्तर्गत १४ अर्ब ८२ करोड रुपियाँसे ढेर भुक्तानी करले बा ।

योगदानमे आधारित सुरक्षा योजना लागु करल साढे छ वर्षके अवधिमे ८१ अर्ब १९ करोड संकलन करल कोष टमान चार ठो योजनाके लाग कोषमे संकलित रकमके १५ प्रतिशत भुक्तानी करल हो । यी २०७६ सावनसे २०८२ जेठ १६ सम उ बराबरके रकम दाबी भुक्तानी करल कोष जनैले बा ।

सामाजिक सुरक्षा कोषके अनुसार सुरक्षा योजना अन्तर्गतके टमान श्रमिक तथा उहाँहुकनके परिवारहे डेहल भुक्तानीमे १४ अर्ब ८२ करोड रुपियाँ खर्च हुइल बा । कोषसे टमान चार योजनामे अइसिन भुक्तानी डेना करल बा ।

कोषके निर्देशक प्रवक्ता कृष्ण अधिकारी कोषमे संकलन हुइल रकमसे माग दाबी अनुसार योगदानकर्ताके योगदानके आधारमे रकम भुक्तानी हुइल बटैलैं ।

ओम्ने औषधी उपचार, स्वास्थ्य तथा मातृत्व योजना अन्तर्गत एक लाख तीन हजार ८०६ जाने एक अर्ब ९७ करोड ६३ लाख ८६ हजार ४९० रुपियाँ भुक्तानी लेले बटैं । दुर्घटना तथा अशक्तता सुरक्षा योजना अन्तर्गत पाँच हजार ५५२ जाने १९ करोड ३३ लाख १७ हजार ९४८ रुपियाँ भुक्तानी लेले बटैं । आश्रित परिवार सुरक्षा योजना अन्तर्गत ७१७ जाने २४ करोड १२ लाख, ७५ हजार ८७४ रुपियाँ रकम भुक्तानी लेले बटैं । अस्टेक वृद्धवस्था सुरक्षा योजना अन्तर्गत एक लाख आठ हजार ६३८ जाने १२ अर्ब ४१ करोड ८८ लाख ७९ हजार ७०५ रुपियाँ भुक्तानी करल कोष जनैले बा ।

गण्डुकीके यातायात विवादसे देशभर सवारी ठप्प

लेखनाथ, २० जेठ । राइड सेयरिङहे वैधानिकता डेना मेरिक गण्डकी प्रदेश सरकारसे कानुनी व्यवस्था करलपाछे यातायात व्यवसायी देशभर सार्वजनिक यातायात ठप्प परले बा । गण्डकी प्रदेश सरकारके वैशाख ३० गतेके मन्त्रिपरिषद् बैठकसे 'गण्डकी प्रदेश राइड सेयरिङ (व्यवस्थापन तथा नियमन) नियमावली, २०८२' जारी करना निर्णय करले रहे ।

जेठ २ गते नियमावली राजपत्रमे प्रकाशित होसेकल बा । गण्डकी प्रदेश सवारी तथा यातायात व्यवस्था ऐन २०७६ के दफा १३ बमोजिम सरकारसे यी नियमावली जारी करल हो । चरणवद्ध आन्दोलनमे उत्रल यातायात व्यवसायीके आन्दोलनके कारण जेठ १६ गतेसे गण्डकी प्रदेशमे ओ १९ गतेसे देशभर सार्वजनिक सवारी ठप्प बा । सोम्मार रात संघीय सरकारसे बनाइल वार्ता टोलीसँग यातायात व्यवसायीके वार्ता ओ सहमति हुइलेसे फेन सार्वजनिक सवारी मंगरसम फेन नैचलल ।

नियमावली खारेज नैहुइटसम सार्वजनिक सवारी नैचलैना यातायात व्यवसायीके अडान बा । वार्तामे राइड सेयरिङ नियमावली स्थगित करना सहमति हुइलेसे फेन ऐनअनुसार ओइसिन करे नैकिल्ना कानुनके जानकार बटैठैं । अधिवक्ता गिरधारी सुवेदी नियमावली राजपत्रमे प्रकाशन हुइलपाछे लागू हुइना हुइल ओरसे स्थगन करे नैमिल्ना बटैलैं ।

"संघीय ऐनसँग बाँझल रलेसे बरु खारेज हुइ सेकि," उहाँ कलैं, "कि मन्त्रिपरिषद्से यिहिनहे खारेज करेपरि कि लागू हुइ । स्थगत करे मिल्ना कानुनी व्यवस्था नैहो ।" सरकार ओ यातायात व्यवसायीबीच सोम्मार रात हुइल वार्तामे प्रदेश सरकारहे नियमावली स्थगत करना पत्राचार करना उल्लेख बा ।

भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालयमार्फत प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद् कार्यालयमे लेखकेपठैना ओ प्रधानमन्त्री कार्यालयमार्फत गण्डकी प्रदेश कार्यालयमे स्थगनके लाग अनुरोध करना सहमति बनल रहे । मंगरके दिन प्रधानमन्त्री कार्यालयके पत्र प्रदेशमे आइल नैहो ।

चैते धान भित्रैना चटारो

सप्तरी, २० जेठ । सप्तरीके किसानहे चैते धान भित्रैना चटारो बा । यहाँक किसान एक हप्तायहोर चैते धान भित्रैना व्यस्त देखैठैं ।

यीचो १५ दिनपहिले मनसुन भित्रल ओरसे पानीमे धान भित्रैना समस्या हुइना सम्भावना रहल ओरसे खेतमे पाकल धान भित्रैना किसान हतारल बटैं । पानी निरन्तर परल ओरसे पाकल धान भित्राइ नैसेक्जाइ कि कना डर कृषकमे बा । मौसमी धान असारमे लागके अगहनमे काटके खेतमे सुखाके दाइँ कैके किल भित्रैलेसे फेन अब्बे जेठमे काटल धान घर लैजाके मौसम हेरके सुखाइपरना दाइँ करेपरना बाध्यता रहल किसान बटैलैं ।

फागुनमे धानके बिउ छिट्ना, चैतके सुरुमे लगैना ओ जेठ १५ से कट्ना सुरु हुइठ । ८० से ९० दिनके छोट समयमे यी धान उत्पादन हुइलेसे फेन अगहनमे उत्पादन हुइना धानसे दोब्बर उत्पादन हुइना सप्तरीके किसानके कहाइ बा ।

खेतमे धान कटिट रहल सप्तरीके विष्णुपुर गाउँपालिका-६, गोरगामाके ५० वर्षीय विन्दादेवी मुखिया छोट समयमे दोब्बर धान उत्पादन हुइलेसे फेन खर्चहा रहल बटैलैं ।

सप्तरीके १८ ठो पालिकामध्ये विष्णुपुर गाउँपालिका, छिन्नमस्ता गाउँपालिका, राजगढ गाउँपलिका, तिलाठी कोइलाडी गाउँपालिका, महदेवा गाउँपालिका, रूपनी गाउँपालिका, हनुमाननगर कंकालिनी नगरपालिका, बोदेबरसाइन नगरपालिका, खडक नगरपालिका ओ शम्भुनाथ नगरपालिकासहितके स्थानमे यीचो जिल्लामे दुई हजार पाँच सय हेक्टर जग्गामे चैते धान लगाइल कृषि ज्ञान केन्द्र सप्तरी जनैले बा ।

महिला स्वरोजगारके...

महिला शाखा ओ पालिकाके पहल ओ प्रयास रही ।"

ढकिया बनैना तालिमके लाग आवश्यक पर्ना पुंजा, मुंज, छेड्ना लगायतके बस्तु हेरैटी गैल वरसे यकर संरक्षण करेपर्नाफे उपाध्यक्ष कठरिया बटैली । महिलाहुत्रे घरके काममे केल सिमित नैहोके सीप सिख्के आर्थिक समृद्धि हुईना काम अब्बेक समयमे कर्ना जरुरी रहलफे वहाँ बटैलै ।

जोशीपुर गाउँपालिका महिला बालबालिका जेष्ठ नागरिक शाखाके आयोजनामे हुईल तालिममे साविक महिला विकास कार्यालयसे गठन कैगिल महिला समूह समिति ओ सहकारीके ३० जाने सहभागि महिला हुक्न सीप विकास अन्तरगत ढकिया बनैना तालिम डेहे लागल हो ।

युक्रेनी तालिम स्थलमे रुसी मिसाइल आक्रमण, १२ सैनिकके मृत्यु

अन्तर्राष्ट्रिय

काठमाडौँ, २० जेठ । युक्रेनके एक सैन्य तालिमस्थलमे हुइल रुसी मिसाइल आक्रमणमे कम्तीमे १२ जाने युक्रेनी सैनिकके मृत्यु हुइल ओ औरे टमान घाहिल हुइल युक्रेनी अधिकारीहुके जानकारी डेले बटैं । यी युक्रेनसे अपन सैन्य क्षतिबारे दुर्लभ रूपमे सार्वजनिक करल स्वीकारोक्ति हो ।

कीभ आक्रमण कौन स्थानमे हुइल हो कना खुलैले नैहो, मने अधिकांश सैनिक आक्रमणके समयमे सुरक्षित आश्रयमे रहल स्पष्ट परले बा । हालके हप्तामे युक्रेनी सेना तालिममे रहल सैनिकहुकनके सुरक्षामे कमजोरी डेखाइल कटि छानबिनके मागके सामना करटि बा ।

गैल महिना सीमा लग्गे तालिम लेटिरहल छ जाने रुसी आक्रमणमे मृत्यु हुइल रहे, यिहिनहे एक युक्रेनी विपक्षी नेता सेनाके नेतृत्वसे करल 'अपराध' के संज्ञा डेले रहैं ।

"जुन १ मे युक्रेनी सेनाके एक तालिम इकाई अवस्थित स्थानमे मिसाइल आक्रमण करल युक्रेनी सेना एक विज्ञप्तिमे जनैले बा ।" स्थानीय समय अनुसार दिनके १२:५० बजे सम कम्तीमे १२ जहनके मृत्यु हुइल ओ ६० से ढेर घाहिल हुइल पुष्टि हुइल बा ।

गणतन्त्रके उपलब्धि मोटरडगरा

बाजुरा, २० जेठ । २०६४ सालसम बाजुराके मार्तडीमे कच्ची सडकसमेत पुगल नैरहे । उ बेला यहाँके स्थानीयसे भरिया घोडा ओ खच्चरमार्फत नोन, तेल, दाल, चाउर लगायत दैनिक उपभोग्यके खाद्यान सामग्री ढुवानी कैटी आइल रहिट । यहाँके स्थानीयके मुख्य व्यापारिक केन्द्र छिमेकी जिल्ला अछामके साँफेबगर रहे । वहाँसे यहाँके स्थानीय भरिया, घोडा, भेडा ओ खच्चरमार्फत सामान ढुवानी कैना करल रहिट ।

उ बेला सामान ढुवानी करक लाग गोरेटो ओ घोरेटो डगरा समेत मजा नैरहे । घोडा खच्चरहे समेत डगरामे नेंगना कर्रा रहे । अब्बे सदरमुकाम मार्तडीसे पूर्वीउत्तरमे रहल विकट हिमाली गाउँपालिकाके बिच्छ्या ओ टरे दक्षिण क्षेत्रके खप्तड छेडेदह गाउँपालिका-१ के काँडासम सडक पुगल बा । पहिले चाउर लानक लाग भेडा लेके साँफेबगरमे जाइ । गणतन्त्र आइलपाछे अब्बे हम्रे गाउँमे चाउर पैना करल बटी, हिमाली गाउँपालिका-२, बिछ्याके ८० वर्षीय रत्नलाल रावत बटैलै ।

यहाँके गाउँबस्तीमे खानेपानी, स्वास्थ्य, शिक्षासमेतके ढेर अभाव रहे । उच्च शिक्षा पह्नक लाग यहाँके बालबालिका खैना चीज बोकके सिलगढी, धनगढी, महेन्द्रनगर, नेपालगन्ज ओ काठमाडौँ जैना बाध्य रहिट । अब्बे बाजुरामे अध्ययनके सक्कु सुविधा उपलब्ध बावै । उ बेला गाउँमे खानेपानीके ढेउर अभाव रहे । खोलुवा ओ कुलुवाके पानी खैना यहाँके बासिन्दा बाध्य रहिट । फोहोर पानी प्रयोग करेबर जेठ, वैशाखमे गाउँमे झाडापखालालगायतके बिरामी ढेर हुइना करिट । गाउँमे खानेपानी नैरहल कारण कोइ फेन छाइ डेना नैमानिट । अब्बे गाउँमे खानेपानीके धारा निर्माण हुइलपाछे छावा खोजके अपनहे पटुहिया गाउँमे अइना करल बुढीगंगा नगरपालिका-२, मुस्तोलाके ९० वर्षीय अम्ला रावत बटैली ।

उपचारके लाग गाउँ लग्गे मजा स्वास्थ्य संस्था नैहोके यहाँके स्थानीय उपचार कराइ डुर जाइ परे । कैयौ जाने हेर्नीपोक्नी लागके ज्यान गुमाइ पर्ना बाध्यता रहे । रोग लग्लेसे फेन सामाजिक रूढिवादीके कारण झारफुक कैना करिट । यहाँके स्थानीयके चेतनामे खासै परिवर्तन आइल नैरहे । अब्बे स्वास्थ्य क्षेत्रके उ अवस्थाके अन्त्य हुइल बा । भगवान् भरोसामे यहाँके महिला बच्चा जन्मैना करिट । हिमाली गाउँपालिका-२, बिच्छ्याके ८० वर्षीय रत्नलाल रावत कहलै, "पहिले गाउँमे नेंगघुम कैना समेत डगरा नैरहे । कबुकाल रातके यहाँर उहाँर जाइ परलमे टर्चके भरमे ज्यान जोखिममे राखके पैदल यात्रा करे परे ।"

स्थानीय सेवा गठन विधेयक पारित

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० जेठ । सुदूरपश्चिम प्रदेश स्थानीय सेवाके गठन, सञ्चालन ओ सेवाके सर्तके सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक सोम्मारके बैठल प्रदेश सभाके बैठकसे पारित करले बा । विधेयक पारित हुइना क्रममे प्रतिपक्षी दलके प्रदेश सभा सदस्य भर सभासे बाहर हुइल रहिट ।

विधायन तथा प्रदेश मामिला समितिमा विधेयकउपर दफावार छलफलपश्चात तयार हुइल प्रतिवेदन नैहोके सत्तापक्षके दुई माननीयसे बोलल् बातहे सदनसे पारित करे खोजल कहटी प्रतिपक्षीसे आपत्ति जनाइल रहिट । नेकपा (माओवादी केन्द्र) के प्रदेश सभा सदस्य अक्कलबहादुर रावल माननीयसे बोलल् बात पारित कैना कहटी खेद प्रकट करल रहिट ।

विधेयक पारित कैनासे आघे विधायन तथा प्रदेश मामिला समितिमे दफावार छलफलपश्चात् प्रस्तुत समितिके प्रतिवेदनसहित विधेयकउपर छलफल करल रहे । छलफलमे भाग लेटी नेपाली कांग्रेसके प्रमुख सचेतक विक्रमसिंह धामी गम्भीर छलफलपाछे किल विधेयक पारित करे पर्ना बटैलै । नेकपा (माओवादी केन्द्र) से प्रतिनिधित्व करल प्रदेश सभा सदस्य अक्कलबहादुर रावल स्थानीय सेवा ऐन बनलपाछे स्थानीय तहके सेवा प्रवाहमे सहयोग पुग्ना बटैलै ।

ओस्टके नेकपा (एमाले) के प्रमुख सचेतक चक्रबहादुर मल्ल समयमे आइ पर्ना विधेयक आघे बह्दैना कुछ विलम्ब हुइल बटैलै । प्रतिपक्षी दल नेकपा (एकीकृत समाजवादी) के प्रमुख सचेतक नरेशकुमार शाही विधेयकउपर महत्वपूर्ण ढंगसे छलफल करे पर्ना बटैलै । उहाँ स्थानीय तहके काम प्रभावकारी बनैना, कर्मचारीके मनोबल बह्दैना त्रुटिरहित बनाके विधेयक हाली पास कैना जरुरी रहल औंल्याइल रहिट । छलफलके क्रममे उठल विषयमे जवाफ डेटी आन्तरिक मामिला तथा कानुनमन्त्री हिरासिंह सार्की विधेयकहे थप परिष्कृत बनैना सुझाव आइल ओ सरकारके ओम्ने ध्यानाकर्षण हुइल बटैलै ।

विधेयक पारितपाछे सुदूरपश्चिम प्रदेश स्थानीय सेवा (गठन तथा सञ्चालन) ऐन, २०८० बनल बा । स्थानीय तहसे कैना सेवा प्रवाहके लाग आवश्यक कर्मचारीके व्यवस्था कैना तथा स्थानीय सेवा प्रभावकारी, सक्षम, सुदृढ, सेवामूलक ओ उत्तरदायी बनैना तत्काल सेवाके गठन, सञ्चालन ओ सेवाके सर्तसम्बन्धी कानुनी व्यवस्था कैना स्थानीय सेवा ऐन बनाइल हो ।

इहे बिच प्रदेश सभामे सुदूरपश्चिम प्रदेश सभाके सचिव ओ सचिवालय व्यवस्थापनसम्बन्धी ऐन, २०७५ हे संशोधन कैना बनल विधेयक टेबुल हुइल बा । आन्तरिक मामिला तथा कानुनमन्त्री सार्की उक्त विधेयक सभामे टेबुल करल हुइट । ओस्टके विषयगत समितिके सदस्यके नाउँ हेरफेर कैना प्रस्ताव सदनसे सर्वसम्मतसे पारित हुइल बा ।

१७ बरस बिट्लेसे फेन नैफेरल हलियाको जीवनशैली

बैतडी, २० जेठ । हलिया मुक्ति घोषणा हुइल १७ बरस बिट्लेसे फेन हलियाके जीवनशैलीमे सुधार आइल नैहो । छाक टर्नासमेत समस्या हुइ लागलपाछे मुक्त हलिया गिट्टी कुटके जीविका चलैना बाध्य बटै ।

सुदूरपश्चिम ओ कर्णाली प्रदेशके १६ हजार ९५३ हलियामध्ये सरकारसे हालसम १३ हजार ५४६ जनहनहे पुनर्स्थापना कैलेसे फेन आभिन तीन हजार ४०७ हलिया गाँसबासके प्रतीक्षामे बटै ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके बैतडीलगायत नौ जिल्ला ओ कर्णाली प्रदेशके हुम्ला, जाजरकोट ओ सुर्खेत सहित १२ जिल्लाके हलियाहे नेपाल सरकारसे २०६५ भदौ २१ गते मुक्तिके घोषणा करल रहे । मुक्तिपाछे पुनर्स्थापनाके लाग नेपाल सरकारसे वर्गीकरण कैके घर ओ जग्गा डुनु नैरहलहे 'क' श्रेणीके परिचयपत्र बाँटल रहे । वर्गीकरण अनुसार जग्गा रहल मने घर नैरहलहे 'ख' श्रेणीके परिचयपत्र डेलेसे फेन आभिन साढे तीन हजार मुक्त हलियाके गाँसबासके प्रत्याभूति हुइ सेकल नैहो । पुनर्स्थापना हुइना बाँकी रहल मुक्त हलिया १७ बरससे परिचयपत्र बोकके पुनर्स्थापनाके पर्खाइमे बैठल हलिया आन्दोलनके अगुवा नेता राजुराम भुल बटैलै ।

सरकारसे हलियामुक्त राष्ट्र घोषणा करेबर हलियाके ओरसे हस्ताक्षरकर्तासमेत रहल राजुराम भुल सरकारसे प्रमाणीकरण करल साढे तीन हजार हलिया पुनर्स्थापनाके कार्यक्रम नैपाके ओ थप तीन हजारसे ढेर हलिया छुट रहल बटैलै ।

सरकारसे प्रतिबद्धता कैके हस्ताक्षर करल बुँदा कार्यान्वयनमे ढिलासुस्ती होके १७ बरसके अवधिमे जम्मा १३ हजार हलियाके किल पुनर्स्थापना हुइल उहाँ बटैलै । मुक्तिपाछे रोजगारी नैपाके सडक किनारमे गिट्टी कुटके छाक टर्टी आइल मुक्त हलिया पार्वती भुल बटैली । गिट्टी कुटेबर हाठमे लगैना सुरक्षा कवज (पन्जा) नैहोके हाठमे चोट लग्लेसे फेन सेकनैसेकके काम करे पर्ना बाध्यता रहल उहाँ बटैली ।

बैतडीमे किल सरकारसे प्रमाणीकरण करल दुई हजार १४७ जाने हलिया बटै । उ मध्ये हालसम एक हजार ५६८ जाने किल पुनर्स्थापनाके कार्यक्रम पैले बटै । बाँकी रहल ५७९ हलिया परिवार कौनो कार्यक्रम पाइल नैहुइट । राज्यसे हलिया मुक्तिके घोषणा करलेसे फेन हलियाके लाग शिक्षा, स्वास्थ्य ओ रोजगारीके ग्यारेन्टी नैकरेबर बैतडीलगायतके जिल्लाके अधिकांश मुक्त हलिया भारतमे ज्याला मजदुरी करे गैल हलिया अधिकारकर्मी हिरा महर बटैली । उहाँ प्रमाणीकरण हुइल हलियाके १७ बरससम पुनर्स्थापना ओ छुटल मुक्त हलियाके लगत संकलनके काम नैहुइल बटैलै ।

पर्यटनसे विकास केन्द्रित काम करी: मन्त्री चौधरी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० जेठ । सुदूरपश्चिम प्रदेशके उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरणमन्त्री रामेश्वर चौधरी पर्यटन क्षेत्रमार्फत् विकास केन्द्रित काम कैना बटैले बटै ।

स्वतन्त्र प्रदेश सभा सदस्य डा. ताराप्रसाद जोशीके पहलमे मंगरके रोज धनगढीमे हुइल प्रकृतिप्रेमीके आँखीमे सुदूरपश्चिम कार्यक्रममे बोल्टी मन्त्री चौधरी हाली विज्ञहे पर्यटन फोकल पर्सन बनैना समेत बटैलै ।

उहाँ खप्तड, वडीमालिका, रामारोशन जैसिन पर्यटकीय क्षेत्रके विकास लाग नयाँ तरिकासे काम हुइना क्रममे रहल बटैटी कैलालीके भजनी तथा टीकापुर क्षेत्रके मोहना ओ कर्णाली लडियामे भेटना डल्फिनहे ध्यान डेके डल्फिन पार्क बनैना सम्भाव्यता अध्ययन कैना बटैलै ।

उहाँ पर्यटन क्षेत्रमे प्रदेश सरकारसे ध्यान डेहे पर्ना बटैटी अब्बेक बाट कैना हो कलेसे मन्त्रालयसँग रहना ५५ करोडसे पर्यटन ओ उद्योगके प्रर्वद्धन कैना कठिनाई हुइल बटैलै । उहाँ पर्यटनमे बजेट बह्दैना मुख्यमन्त्री ओ अर्थमन्त्रीसंग आग्रह करटी रहलफे बटैलै ।

हम्रे भारत ओ चीनके पर्यटक ल्याने नैसेकल कहटी चिन्ता जाहेर करल मन्त्री चौधरी भारतसे अइना पर्यटकहे ट्राफिक प्रहरीसे दु:ख डेना करल चर्चा करलै । दुईसे पाँच किलोमिटरपिच्छे अनावश्यक चेकजाँच करके ट्राफिक प्रहरीसे भारतीय पर्यटकहे दु:ख डेहल बटैटी मन्त्री चौधरी ओसिन ट्राफिक प्रहरी आतंक रोक्न प्रदेश प्रहरी प्रमुख ओ ट्राफिक हेरुइयाहे आग्रह करल बटैलै ।

उ अवसरमे बोल्टी उ मन्त्रालयके सचिव दीर्घनारायण कोइराला सुदूरपश्चिम प्रदेशमे माउन्टेन फ्लाइट, केवुलकार ओ इको पर्यटनमेफे ध्यान डेना जरुरी रहल बटैलै । कार्यक्रममे अधिकांश सहभागी उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालयसे पर्यटनहे हटाके दुसर मन्त्रालय बनाई पर्नामे जोड डेलै । प्रदेश सभा सदस्य डा. जोशी, एमालेके प्रमुख सचेतक चक्र मल्ल, पर्यटन व्यवसायी मायाप्रकाश भट्ट लगायतसे अब्बेक अवस्थामे मन्त्रालय रहटसम पर्यटन क्षेत्रके विकास नैहुइना बटैलै । अलग मन्त्रालय बनाई नैसेक्लेसे उपसचिवके जिम्मामे पर्यटन क्षेत्र राखे पर्नाफे कुछ सहभागी जोड डेहल रहिट ।

पूर्व मुख्यमन्त्री राजेन्द्रसिंह रावल सुदूरपश्चिमहे देव भूमि, प्राकृतिक सुन्दरता, संस्कृति लगायतके क्षेत्रके रुपमे परिचित बनैना करके काम कैना जरुरी रहल बटैलै । नेकपा (माओवादी केन्द्र) संसदीय दलके नेता खगराज भट्ट राजीतिज्ञ ओ कर्मचारी योजनाके साथ जिम्मेवार ओ इमान्दार हुइलेसे केल्ह सुदूरपश्चिमके केल नाही मुलुकके पर्यटन विकास हुइना बटैलै ।

प्रदेशके पूर्वमन्त्री सन्तोष शर्मा थापा, अक्कल रावल, नरेश शाही, टीका थापा लगायत सुदूरपश्चिमके पर्यटन क्षेत्रके विकासके लाग सक्कु जाने जुटे पर्ना बटैलै । पर्यटन क्षेत्रके विकासमे गहिर रुचि रख्न क्याप्टेन वेद उप्रती कर्णालीं ओ मोहनामे डल्फिन सेन्टर खप्तडमे स्कि खेल्न ठाउँ बनाके, शुक्लाफाँटामे फरक तरिकासे बाह्रसिगे डेखाके रोजगारी सृजना करे सेक्ना सुझाव डेलै । व्यवसायी ओम विष्ट समुद्रमे पैना डल्फिन हमार लडियामे भेटन सौभाग्य हुइलेसेफे बाह्रै महिना ओइनहे धारे सेक्ना वातावरण कैसिक बनैना सोच्न जरुरी रहल बटैलै ।

पर्यटनकर्मी गणेश मगर पर्यटकीय क्षेत्रके प्रचारप्रसार नैहुइना, डगर, बैठना ठाउँ, शौचालय, नक्सा अभाव, विदेशीहे महंगा हवाई टिकट, फोटो, भिडियो खिचेक लाग ड्रोन उरैना अनुमति लेना झंझटफे सुदूरपश्चिम क्षेत्रके पर्यटकीय क्षेत्रके विकासके लाग बाधक हुइल बटैलै ।

वनस्पति अध्ययन केन्द्र, कैलालीके प्रमुख गंगादत्त भट्ट सुदूरपश्चिम जडीबुटी ओ वनस्पतिके क्षेत्रमे भर्जिन रहल चर्चा करटी यकर उपयोग करेपर्ना धारणा रख्लै । कार्यक्रममे प्रदेश नीति तथा योजना आयोगके सदस्य कर्ण कुँवर, पर्यटन व्यवसायी प्रकाश भट्ट, लक्ष्मीनारायण चौधरी, दिनेशराज भण्डारी, पदमविक्रम सिंह, प्रमोद पाठक, रविन पन्त, तपेन्द्र रावल शिक्षासेवी सीताराम जोशी लगायतके सहभागिता रहल रहे ।

स्वास्थ्य नै धन हो ।

विभिन्न संक्रमणबाट आफू बचौं र अरुलाई पनि बचाऔं, अत्यावश्कीय सेवा प्रवाह गर्दा निम्न कुरामा ध्यान दिऔं ।

- संवभ भएसम्म मास्क लगाऔं, सेवाग्राहीलाई पनि मास्क लगाउन सु-सूचित गरौं ।
- सेवा प्रभावहमा निश्चित भौतिक दुरी कायम गरौं ।
- साबुन पानीले मिचीमिची हात धुने गरौं वा सेनिटाइजरको प्रयोग गरौं ।
- कुनै पनि स्वास्थ्य समस्या भएमा नजिकैको स्वास्थ्य संस्थामा तुरुन्त सम्पर्क गरौं ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार

आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालय

धनगढी, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिवुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९